रूस का अपने परमाणु सिद्धांत में संशोधन

द हिन्दू

पेपर- II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा पिछले हफ्ते घोषित रूस के परमाणु सिद्धांत में संशोधन से रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर जंगी बयानबाजी में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। एक वक्त था जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के लिए ऐसा व्यवहार कल्पना से परे माना जाता। उनकी घोषणा यह थी कि परमाणु शक्ति द्वारा समर्थित किसी भी देश द्वारा रूस पर पारंपरिक हमले की स्थिति में, रूस इसे एक ष्संयुक्त हमलाष मानेगा और पूरी संभावना है कि इस खतरे से उसी अनुरुप निपटेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ष्रूस की। संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले पारंपरिक हमले के जवाब में रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। सप्ताहांत पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में रुसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस धमकी को दोहराया। उन्होंने कहा कि मॉस्को के पास परमाणु हथियारों को देखते हुए, रूस को युद्धभूमि में हराने का विचार ष्बेवकूफानाष और ष्आत्मघाती दुस्साहसष है। साफ तौर पर, पुतिन द्वारा परमाणु सिद्धांत में संशोधन और उपरोक्त टिप्पणियां यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जैलेंस्की की अमेरिका यात्रा के संदर्भ में हैं, जहां उन्होंने यूक्रेन के लिए एक नयी ष्विजय योजनाष पेश करने की कोशिश की। जेलेंस्की अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों से हा. सिल मिसाइलों व भारी हथियारों का इस्तेमाल रूस के काफी भीतर तक हमले करने के लिए उनकी अनुमति चाहते हैं। फिलहाल, इन हथियारों (जिनमें स्टॉर्म शैडो और एटीएसीएमएस मिसाइलें शामिल हैं) का इस्तेमाल सिर्फ रूस से रक्षा के लिए किया जा सकता है। हालांकि पश्चिमी राजधानियों ने उस समय आंखें मूंद लीं जब अगस्त में यूक्रेनी सेनाएं टैंकों और हथियारों के साथ कुर्स्क रूसी ओब्लास्त में दाखिल हुई। इस कब्जे से जेलेंस्की को एक प्रतीकात्मक जीत हासिल हुई और शांति के लिए भावी बातचीत में शायद कुछ फायदा मिले। हालांकि, नये सिरे से रूस के जवाबी हमले के साथ कीव में ज्यादातर जोश ठंडा पड़ गया है। रूस ने कुर्क में सैनिक भेजे हैं और यूक्रेन के पोक्रोवस्क के आसपास एक नया मोर्चा भी खोल दिया है। पश्चिमी देश युद्ध की इस रंगभूमि में घुसने से अब भी परहेज कर रहे हैं। यही वजह है, अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन ने अभी यूक्रेन के लिए लगभग 8 अरब डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता का एलान किया है, लेकिन रूस के अंदर इसके इस्तेमाल की मांग के बारे में कोई जिक्र नहीं किया।

यह देखा जाना बाकी है कि क्या पुतिन को मना लिया जायेगा या यहां से युद्ध के ष्परमाणु हद तक पहुंचने की चिंताएं बढ़ेंगी। यह उम्मीद की जाती है कि ऐसी तबाही रोकने के लिए भारत समेत वो देश अपने प्रयास दोगुने करें, जिन्होंने बातचीत और अमन का रास्ता ढूंढने का वादा किया है। नयी दिल्ली ने कहा है कि उसने जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र को लेकर सुरक्षा चिंताएं बढ़ने पर अपना ष्संदेश पहुंचाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रिक्स शिखर बैठक के लिए जब अक्टूबर

में रूस की यात्रा करेंगे, तब उनसे फिर वही करने की मांग की जा सकती है। जब दुनिया को पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का भूत सता रहा है, तब वह यूरेशिया में एक-दूसरे की सुनिश्चित बर्बादी के, शीत युद्ध के भयावह परिदृश्यों की वापसी कतई नहीं चाहेगी

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. रूस का मौजूदा परमाणु सिद्धांत जून 2020 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा स्थापित हुआ था।
2. रूस ने यूक्रेन में पश्चिमी सेनाओं के प्रत्यक्ष प्रवेश को देखते हुए अपने परमाणु सिद्धांत में बदलाव की घोषणा की है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

Que. Consider the following statements regarding the recently released Periodic Labor Force Survey-

1. Russia's current nuclear doctrine was established by President Vladimir Putin in June 2020.
2. Russia has announced a change in its nuclear doctrine in view of the direct entry of Western forces into Ukraine.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 nor 2

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: रूस का मौजूदा परमाणु सिद्धांत में परिवर्तन से क्या अभिप्राय है? इस परिवर्तन के निहितार्थ की भी चर्चा करें।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में रूस के मौजूदा परमाणु सिद्धांत की संक्षेप में चर्चा करें।
- दूसरे भाग में मौजूदा परमाणु सिद्धांत में परिवर्तन और इसके प्रभावों का विश्लेषण करें।
- अंत में आगे की राह देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।